शुक्रवार
22 मई 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 118
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

सड़कों पर नमाज पढ़ने की इजाजद नहीं: धामी

●उत्तर प्रदेश के बाद अब उत्तराखण्ड में भी सड़कों पर नमाज पर पाबंदी

हमारे संवाददाता

देहरादून। उत्तर प्रदेश के बाद अब उत्तराखण्ड में भी सड़को पर नमाज पढ़ने पर सरकार की ओर से पाबंदी लगायी गयी है।

मीडिया के माध्यम से यह जानकारी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा दी गयी है। उन्होने कहा कि इस समय राज्य में चारधाम यात्रा चल रहे है जिसमें लाखो श्रद्धालुओं का देश विदेश से उत्तराखण्ड आना हो रहा है। राज्य सरकार का मानना है कि ऐसे में सड़कों पर नमाज पढ़ने से कानून व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। उन्होने कहा कि कानून व्यवस्था से कोई ऊपर नहीं है। इस व्यवस्था को बिगाड़ने का किसी को अधिकार नहीं है।

सीएम धामी ने कहा है कि नमाज निर्धारित जगहो यानि मस्जिदो व ईदगाहों पर ही पढ़ी जानी चाहिए न कि सार्वजनिक सड़कों पर? उन्होने कहा कि सड़कों पर नमाज पढ़ने की किसी को इजाजद नहीं दी जायेगी। उन्होने कहा कि सार्वजनिक रास्तो को बाधित करने से परेशानी होती है। उन्होने कहा कि हमारा कत्यर्व्य है कि चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो।

विदित हो कि यूपी की योगी सरकार ने सड़कों पर नमाज पढ़ने पर काफी समय से पाबंदी लगायी हुई है। अब उत्तराखण्ड की धामी सरकार द्वारा भी इस पर पांबदी लगा दी गयी है। उत्तराखण्ड सरकार का मानना है कि सड़कों पर नमाज पढ़ने से कानून व्यवस्था के साथ साथ यातायात के भी प्रभावित होना तय माना जाता है इसके चलते यह फैसला लिया गया है।

भूमि फर्जीवाड़े में फरार चल रहे 20 हजार के ईनामी सहित दो दबोचे

हमारे संवाददाता

देहरादून। भूमि फर्जीवाड़े में फरार चल रहे 20 हजार के ईनामी सहित दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ईनामी अपराधी शातिर किस्म का बदमाश है। जिस पर जमीनी फर्जीवाड़े के 27 मुकदमें दर्ज है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि बीते वर्ष 15 अक्टूबर को विक्रम सिहं पुत्र फूल चन्द निवासी विकास लोक सहस्त्रधारा रोड अधोईवाला ने थाना रायपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि अभय कुमार पुत्र केशव सिंह निवासी राजेन्द्र नगर कौलागढ रोड देहरादून, प्रदीप सकलानी पुत्र भूदेव सकलानी निवासी ग्राम पुजार गांव सत्यों सकलाना, टि.ग. हाल पता निवासी लार्ड कृष्णाग्रीन बी-ब्लाक फ्लैट न 503 केदारपुरम दून यूनिवर्सिटी देहरादून व अजय सजवाण पुत्र नामालूम निवासी ग्राम बझेत मालदेवता रायपुर देहरादून द्वारा ग्राम सौंडा सरोली, परगना परवादून, जनपद देहरादून स्थित भूमि के फर्जी दस्तावेज तैयार करते हुए उक्त भूमि को अपने किसी परिचित की बताते हुए उन्हें उक्त भूमि को विक्रय करने के नाम पर उनसे 30 लाख रूपये की धोखाधडी की गई है।

मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपियों ने पीड़ित को उक्त भूमि अपने किसी परिचितों की बताते हुए स्वंय को उक्त भूमि विक्रय करने हेतु अधिकृत बताया गया था तथा एक विक्रय अनुबंध पत्र तैयार कर पीड़ित से 30 लाख रूपये ले लिये गये तथा आरोपियों ने जिन व्यक्तियों को उक्त भूमि का स्वामी बताया गया था वे उसके वास्तविक स्वामी नहीं थे तथा भूमि के वास्तविक स्वामियों द्वारा आरोपियों को भूमि विक्रय हेतु कोई अधिकार प्रदान नहीं किया गया था। वही मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही मुख्य आरोपी प्रदीप सकलानी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिये लगातार फरार चल रहा था। जिसकी गिरफ्तारी पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा 20 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया गया था। इस ईनामी अपराधी की तलाश में जुटी पुलिस टीम को बीती रात सूचना मिली कि आरोपी प्रदीप सकलानी की एकता विहार डालनवाला में एक प्रोपर्टी को बेचने को लेकर कुछ लोगों से बातचीत चल रही है। जिस पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए प्राप्त सूचना के आधार पर धोखाधडी में फरार चल रहे ईनामी आरोपी प्रदीप सकलानी व मुकदमें में नामजद एक अन्य आरोपी अजय सजवाण को एकता कालोनी डालनवाला देहरादून से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी द्वारा बताया गया कि वह देहरादून में अलग-अलग स्थानों पर किराये पर रह रहा था तथा पुलिस से बचने के लिये हर 2 या 3 माह में अपना ठिकाना बदल देता था।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी प्रदीप सकलानी बेहद शातिर किस्म का अपराधी है, जो पहाड के भोले-भाले लोगों विशेषकर फौजियों या अन्य राज्यो में रहने वाले उत्तराखण्ड मूल के व्यक्तियों को स्वंय के भी पहाडी मूल का होने तथा उन्हे देहरादून में सस्ते दामों में जमीन दिलवाने का प्रलोभन देकर अपने विश्वास में लेता था तथा उन्हें किसी अन्य की भूमि को दिखाते हुए उसे अपनी या अपने किसी परिचित की बताकर उसे विक्रय करने के एवज में उनसे मोटी धनराशी लेकर धोखाधडी करता था। आरोपी के खिलाफ जनपद के विभिन्न थानों में भूमि धोखाधडी के 27 मुकदमें दर्ज है।

दून वैली मेल

संपादकीय

जनमन की अकुलाहट: केजेपी

भले ही केजेपी (कॉकरोच जनता पार्टी) के गठन को अभी जुम्मा जुम्मा 8 दिन भी नहीं हुए सही, लेकिन डिजिटल इंडिया के वर्तमान युग में महज 5-6 दिन में ही काकरोज जनता पार्टी ने ऐसा गर्दा उड़ाया है कि यह नाम अब किसी परिचय का मोहताज नहीं रहा है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपक और उनके सहयोगियों ने अब अपनी पार्टी का पांच सूत्रीय एजेंडा भी जारी कर दिया है जिसमें लिखे गए सभी बिंदुओं पर गौर किया जाए तो स्पष्ट तौर पर यह कहा जा सकता है कि यह जन मन में वर्तमान सरकार और सिस्टम जो सरकार द्वारा ही तैयार किया गया है को लेकर अकुलाहट या फिर यूं कहे की आक्रोश का ही नतीजा है इस आइडिये का सुपरहिट होना और इतनी तेजी से इसके फॉलोअर्स का बढ़ना कि उसने 5 दिन में सोशल मीडिया पर अपनी बुलंदी के झंडे गाढ़ते हुए विश्व की सबसे बड़ी कहीं जाने वाली भाजपा और सबसे पुरानी कहे जाने वाली कांग्रेस को भी कोसों पीछे छोड़ दिया है। कॉकरोच का आतंक तो इससे भी समझ सकते हैं कि सरकार द्वारा भारत में उसके इंस्टाग्राम अकाउंट को सील कर दिया गया है। लेकिन जिस युवा और आईटी की तकनीक से लैस नई पीढ़ी ने अपने इस आईडिये को लांच किया गया है उसने तुरंत ही दूसरा अकाउंट भी बना दिया है और सत्ता में बैठे लोगों को यह बता दिया है कि वह उन्हें अपनी बात कहने से रोक नहीं सकते हैं। सही मायने में यह वही जनमत की ताकत है जिससे लोकतंत्र चलता है। अभिजीत का अपने डेढ़ करोड़ से अधिक फॉलोअर्स से कहना है कि वह भाजपा को तुरंत अनलॉक करें। सच यह है कि कॉकरोच ने सरकार और देश के सिस्टम को हिला कर रख दिया है। हमारे जैसे पत्रकार तो सही मायने में युवा पीढ़ी और नई तकनीकी युग में इतने आउटडेटेड हो गए हैं कि जो इन युवाओं ने मजाक मजाक में कर दिखाया है हम तो वैसा होने के बारे में सही मायने में सोच भी नहीं सकते थे। देश की सरकार ने पूरे ही सिस्टम को इस कदर पैरालाइज्ड कर दिया है कि हमारी सोच का दायरा सिर्फ मोदी मीडिया और पूंजीपतियों के हाथों मे देश चले जाने पर सिर्फ चर्चा तक या बोलने पर जेल जाने की डर से सिर्फ तमाशबीन बन कर रह गए हैं। केजेपी को लेकर तमाम तरह की संभावनाएं और आशंकाएं दोनों ही एक साथ चल रही हैं। कहीं यह भी अन्ना हजारे के आंदोलन की तरह कोई राजनीतिक स्टंट तो नहीं है या फिर सरकार का मुद्दों से ध्यान भटकाने का कोई षड्यंत्र या फिर जेन जे जिसकी चर्चाएं बीते लंबे समय से हो रही है जैसा कोई आंदोलन तो नहीं? कुछ लोग इसे समय की मांग बताते हुए किसी बड़े परिवर्तन का संकेत भी मान रहे हैं। लेकिन यह कॉकरोच जनता पार्टी कुछ नहीं ऐसा हम कतई भी मानने को तैयार नहीं है। इसके एजेंडे में सुप्रीम कोर्ट के जजों की राज्यसभा जाने पर रोक लगाने तथा दल बदल करने वालों पर आजीवन प्रतिबंध लगाने और किसी एक भी व्यक्ति का वैध वोट काटे जाने पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त को जेल में डालने एवं महिलाओं को 33 फीसदी की जगह 50 फीसदी आरक्षण बिना लोकसभा सीटें बढ़ाये ही देने की जो बातें कही गई है वह हमारे सड़े गले सिस्टम की फुल बॉडी सर्जरी से कम नहीं है। इसके अलावा उद्योगपतियों के मीडिया संस्थानों को बंद कराने तथा मोदी मीडिया के सभी एकाउंट्स की जांच कराने की बात भी कही गई है। सपाट भाषा में यह संदेश घर का सामान नहीं पूरा घर ही बदलने की बात इसमें समाहित है। कॉकरोच जनता पार्टी जिसके धड़ाधड़ प्रांतीय ऑफिस तक खुलना शुरू हो गए हैं, का भविष्य क्या होगा समय ही बताएगा? लेकिन युवाओं को आवाज देने वाले सीजीए को साधुवाद जिन्होंने इस विमर्श को जन्म दिया।

एक शाम हरि संकीर्तन के नाम कार्यक्रम आयोजित

संवाददाता

देहरादून। गंगानगर स्थित राजीव हटवाल पार्क में शाम इस्कॉन ऋषिकेश शाखा द्वारा "एक शाम हरि संकीर्तन के नाम" कार्यक्रम का भव्य एवं दिव्य आयोजन किया गया। पुरुषोत्तम मास के शुभ अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में श्री चौराअष्टमक पाठ एवं दीपदान का विशेष आयोजन भी किया गया, जिसने श्रद्धालुओं को भक्तिमय वातावरण से भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं ने प्रभु भक्ति, संकीर्तन एवं सेवा का लाभ उठाया। आयोजन गंगानगर की पार्षद संध्या बिष्ट गोयल एवं समाजसेवी एकांत गोयल के सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर गंगानगर क्षेत्र के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। पार्षद संध्या बिष्ट गोयल ने बताया कि यह आयोजन प्रत्येक माह की 21 तारीख को सायंकाल आयोजित किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम में गंगानगर की पार्षद संध्या बिष्ट गोयल, समाजसेवी एकांत गोयल, हनुमंत पुरम विकास मंच के अध्यक्ष के के सचदेवा, सविता त्यागी, नीरज त्यागी, अतुल पुंज, विवेक भल्ला, प्रवीन रावत, जगमोहन, योगेश ब्रेजा, प्रदीप बक्शी व तमाम लोक व महिलाएं अधिकांश संख्या में उपस्थित थे।

उत्तराखंड में विस चुनाव 2027 के संभावित मुद्दे (भाग-15)

खाली होते गांवों के स्कूल, निजी शिक्षा का बढ़ा बोझ, 2027 के विधानसभा के रण में होगी सत्ता की परीक्षा

पहले 'गांव' और अब स्कूल हुए 'खाली'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक बिसात बिछनी शुरू हो चुकी है। राज्य में पारंपरिक तौर पर पलायन, रोजगार और जल-जंगल-जमीन जैसे बुनियादी मुद्दे हावी रहे हैं, लेकिन बदलते समय के साथ इस बार शिक्षा और स्कूल सुधार एक ऐसा केंद्रीय मुद्दा बनता दिख रहा है जो किसी भी दल का खेल बना या बिगाड़ सकता है।

सरकारी आंकड़ों में शिक्षा व्यवस्था भले पटरी पर दिखाई जाती हो, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि हजारों अभिभावक अपने बच्चों की पढ़ाई के लिए गांव छोड़कर कस्बों और शहरों की ओर पलायन कर रहे हैं। राज्य के पर्वतीय इलाकों में लगातार बंद हो रहे प्राथमिक विद्यालय अब केवल शिक्षा का संकट नहीं, बल्कि पहाड़ के अस्तित्व का सवाल बनते जा रहे हैं। गांवों में स्कूल बंद होने का सीधा असर बसावट पर पड़ रहा है, जिस गांव में कभी बच्चों की आवाज गूंजती थी, वहां अब सन्नाटा पसरा है। यही कारण है कि शिक्षा अब केवल बच्चों का विषय नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक बहस का केंद्र बन चुका है।

सरकारें वर्षों से स्मार्ट क्लास, डिजिटल शिक्षा और नई शिक्षा नीति के दावे करती रही हैं, लेकिन पहाड़ के दूरस्थ गांवों में आज भी बच्चे टूटी छतों, जर्जर कमरों और बिना विज्ञान-गणित शिक्षकों के पढ़ने को मजबूर हैं। कई इंटर कालेजों में महीनों तक विषय विशेषज्ञ नहीं पहुंचते। अभिभावकों का भरोसा सरकारी स्कूलों से लगातार टूट रहा है और यही कारण है कि गांव का गरीब परिवार भी बच्चों को पढ़ाने के लिए शहरों की ओर पलायन कर रहा है।

●सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच फंसी शिक्षा व्यवस्था बनी जनता की सबसे बड़ी नाराजगी
●स्मार्ट क्लास के दावों के पीछे शिक्षक विहीन स्कूलों की कड़वी सच्चाई अब बनी बहस का केंद्र
●प्रदेश में बदहाल सरकारी व्यवस्थाएं आगामी चुनाव में सत्ता की परीक्षा लेने को है तैयार

प्रदेश के पर्वतीय जिलों में लगातार घटती छात्र संख्या सरकार के लिए चिंता का विषय बन चुकी है। सैकड़ों स्कूल या तो बंद हो चुके हैं या दूसरे स्कूलों में समायोजित कर दिए गए हैं। गांवों में लोग सवाल पूछ रहे हैं कि जब स्कूल ही नहीं बचेंगे तो गांव कैसे बचेंगे? चुनाव से पहले विपक्ष अब इसी मुद्दे को हथियार बनाने की तैयारी में है। बेरोजगार बीएड और डीएलएड प्रशिक्षित युवाओं में भी नाराजगी बढ़ रही है। वर्षों से भर्ती प्रक्रिया लटकी रहने और अतिथि शिक्षकों के भरोसे शिक्षा व्यवस्था चलने पर युवाओं में असंतोष है।

वहीं शिक्षा विशेषज्ञ मानते हैं कि उत्तराखंड में शिक्षा केवल पढ़ाई का विषय नहीं रह गया है, बल्कि यह पलायन, रोजगार और गांवों के अस्तित्व से सीधे जुड़ा प्रश्न बन चुका है, जिस गांव में अच्छा स्कूल नहीं होगा, वहां परिवार रुकना नहीं चाहेगा। राज्य में साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत से काफी बेहतर होने के बावजूद, बुनियादी शिक्षा का ढांचा और नीतियों में हो रहे बदलाव इस बार चुनावी रण में मुख्य मुद्दा बनने की ओर अग्रसर हैं। उत्तराखंड का सबसे बड़ा दर्द है पलायन। लोग पहाड़ों से मैदानी इलाकों की तरफ सिर्फ रोजगार के लिए नहीं, बल्कि बच्चों की अच्छी पढ़ाई के लिए भी भाग रहे हैं। पौड़ी गढ़वाल, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ के कई गांवों में सिर्फ इसलिए ताले लटक गए क्योंकि वहां बच्चों के लिए अच्छे स्कूल या कालेज नहीं थे।

टूटी छतें और जर्जर स्कूल के कमरें : बीते कुछ वर्षों में सरकार ने स्मार्ट क्लास, डिजिटल शिक्षा, अंग्रेजी माध्यम और नई शिक्षा नीति को लेकर बड़े-बड़े दावे किए हैं। लेकिन जमीनी स्तर पर इंटरनेट और शिक्षकों की कमी ने इन योजनाओं की रफ्तार रोक दी है। पहाड़ के कई विद्यालय आज भी टूटी छतों, जर्जर कमरों और सीमित संसाधनों के सहारे चल रहे हैं। वहीं दूसरी ओर निजी स्कूलों की बढ़ती फीस ने मध्यमवर्गीय परिवारों की कमर तोड़ दी है।

अभिभावकों में यह भावना तेजी से बढ़ रही है कि सरकारी स्कूलों में भविष्य सुरक्षित नहीं है। यही नाराजगी आने वाले चुनावों में राजनीतिक रंग ले सकती है।

पहाड़ की 'खोली' अब है 'खामोश'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के पारंपरिक घरों में खोली का मतलब सिर्फ एक दरवाजा नहीं होता। यह पत्थरों को तराशकर, देवदार और तून की लकड़ी पर की गई बारीक नक्काशी से सजा एक ऐसा भव्य प्रवेश द्वार होता है, जो घर के वैभव और संस्कृति को दर्शाता है। इस घर को खोली पर भी देवी-देवताओं, शेर, हाथी और लताओं की इतनी सुंदर नक्काशी थी कि जो भी वहां से गुजरता, एक पल को ठहर जाता।

पहाड़ की खोली केवल रहने की जगह नहीं थी, बल्कि संघर्ष और सादगी की सबसे बड़ी पहचान थी। खेतों के किनारे बनी छोटी-छोटी खोलियों में किसान दिनभर खेती करते, पशुओं की देखभाल करते और रात को वहीं चूल्हे पर मंडुवे की रोटी और गहत की दाल बनती थी।पहले पहाड़ की हर ढलान पर कोई न कोई खोली दिख जाती थी। कहीं घास काटने वाली महिलाओं का विश्राम स्थल, कहीं चरवाहों का ठिकाना और कहीं खेतों की रखवाली करती बुजुर्ग आंखों की आखिरी उम्मीद। लेकिन अब समय बदल गया है।

पलायन ने पहाड़ की खोलियों की रौनक भी छीन ली है। जो खोली कभी धुएं और लोगों की आवाजों से जीवित रहती थी, वहां अब मकड़ियों के जाले हैं। कई खोलियां बारिश और बर्फबारी में टूट चुकी हैं। कुछ पत्थरों के ढेर में बदल गई तो कुछ जंगल में गुम हो गई।आधुनिकता के इस दौर में सीमेंट के बड़े घर बन गए, लेकिन उनमें वह अपनापन नहीं रहा जो एक छोटी सी खोली में हुआ करता था। खोली में जगह भले कम होती थी, मगर रिश्तों में दूरी नहीं होती थी। वहां मोबाइल नेटवर्क नहीं था, लेकिन दिलों का संपर्क हमेशा मजबूत रहता था। गांव के बुजुर्ग आज भी बताते हैं कि खोली केवल दीवारों का ढांचा नहीं थी, बल्कि पहाड़ के आत्मनिर्भर जीवन की पहचान थी। वहीं से खेती चलती थी, वहीं लोकगीत जन्म लेते थे और वहीं पहाड़ का असली जीवन बसता था। आज जब पहाड़ के गांव वीरान हो रहे हैं, तब टूटती हुई खोलियां मानो यह सवाल पूछ रही हैं कि क्या विकास की दौड़ में हमने अपनी जड़ों को बहुत पीछे छोड़ दिया है।

●कभी यही थी जिंदगी की सबसे गर्म पनाह,पलायन के ग्रहण से आज खोलिया सिसक रही
●पत्थर, लकड़ी और मिट्टी से बनी पहाड़ की खोली केवल एक कमरा नहीं गांव की थी आत्मा
●रिश्तों की गर्माहट और संघर्ष भरे जीवन की सबसे सजीव कहानी यही से होती थी शुरु

आज पहाड़ की हवाएं जब उस बंद पड़े घर के झरोखों से गुजरती हैं, तो ऐसा लगता है मानो वह खोली सिसक रही हो। वह आज भी इंतजार कर रही है कि कभी कोई त्योहार आएगा, कोई प्रवासी बेटा वापस लौटेगा। उत्तराखंड के पहाड़ों में आज ऐसी हजारों खोलियां वीरान पड़ी हैं। यह सिर्फ खाली मकान नहीं हैं, बल्कि पहाड़ की लोक-कला और समृ(इतिहास के वह मूक गवाह हैं, जो पलायन के इस दौर में अपनी पहचान बचाने की गुहार लगा रहे हैं। शायद आने वाले समय में पहाड़ की खोली केवल कहानियों, लोकगीतों और पुरानी तस्वीरों में ही बचकर रह जाए।

सुलभ शौचालय का काम छह माह से अधूरा

नई टिहरी(आरएनएस)। नगर पंचायत चमियाला की सुस्त कार्यशैली का खामियाजा व्यापारियों, स्थानीय लोगों और चारधाम यात्रा मार्ग से गुजरने वाले यात्रियों को भुगतना पड़ रहा है। बाजार क्षेत्र में निर्माणाधीन सुलभ शौचालय का कार्य बीते छह माह से धीमी गति से चल रहा है। तय समय सीमा बीतने के बावजूद निर्माण पूरा नहीं होने से लोगों में नगर पंचायत के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। नगर पंचायत चमियाला की ओर से बाजार क्षेत्र में करीब 20 लाख रुपये की लागत से सुलभ शौचालय का निर्माण शुरू कराया गया था। इसका उद्देश्य व्यापारियों, गांवों से खरीदारी के लिए बाजार पहुंचने वाले ग्रामीणों और चारधाम यात्रा पर आने-जाने वाले यात्रियों को सुविधा उपलब्ध कराना था।

निर्माण कार्य को मार्च 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया था लेकिन निर्धारित समय बीतने के दो माह बाद भी शौचालय अधूरा पड़ा है। चमियाला में पहले से मौजूद दूसरा शौचालय बाजार क्षेत्र से काफी दूरी पर स्थित है। ऐसे में दुकानदारों, महिलाओं, बुजुर्गों और यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। बाजार आने वाले ग्रामीणों को भी काफी दिक्कत झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चारधाम यात्रा सीजन के दौरान बाजार में आवाजाही बढ़ने के बावजूद शौचालय निर्माण में तेजी नहीं लाई जा रही है जिस धीमी गति से शौचालय का निर्माण चल रहा है उस स्थिति में कार्य पूरा होने में दो से तीन माह का वक्त और लग सकता है। लोगों ने नगर पंचायत से निर्माण कार्य में तेजी लाकर जल्द शौचालय शुरू कराने की मांग की है।

गर्मी बढ़ते ही हांपने लगे जल संस्थान के पंप

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। नगर क्षेत्र के कई मोहल्लों में पेयजल की आपूर्ति सुचारु न होने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जिन क्षेत्र में ट्यूबवेल से पेयजल आपूर्ति होती है वहां पर एक ही समय लोगों को पानी उपलब्ध हो पा रहा है। इसके अलावा पंपिंग पेयजल योजना से आच्छादित मोहल्लों में भी पानी की आपूर्ति अनियमित बनी हुई है।

नगर के नर्सरी रोड से सटे ट्रेजरी मोहल्ला, प्रगति विहार, कंसमर्दिनी, डांग, उफल्डा , शक्ति विहार, अलकनंदा विहार, भक्तियाना, चुंगी के आस-पास, ब्राह्मण मोहल्ला आदि क्षेत्रों में लोगों को दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। लोगों का कहना है कि गरमी बढ़ते ही जल संस्थान के पंप भी हांपने लग जाते हैं। जहां ट्यूबवेल लगे हैं वहां भूमिगत जल स्तर कम हो गया है। इससे एक ही समय जल संस्थान पेयजल आपूर्ति करा पा रहा है। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सूरज घिल्डियाल का कहना है कि नगर क्षेत्र के कई हिस्सों में पेयजल की व्यवस्था बुरी तरह से चरमराई हुई है। होटल कारोबारियों को भी भारी दिक्कतें हो रही हैं। यदि पेयजल आपूर्ति सुचारु नहीं होती है तो वह लोगों को साथ लेकर जल संस्थान का घेराव करेंगे। वहीं जल संस्थान के सहायक अभियंता अर्पित मित्तल का कहना है कि तकनीकी दिक्कत के कारण कुछ स्थानों पर पानी नहीं आ पा रहा होगा। ट्यूबवेल और पंपिंग का पानी एक साथ पंप किया जा रहा है। प्रेशर कम होने से दिक्कत हो रही है। जल्द स्थिति ठीक हो जाएगी।

युवाओं को एस्ट्रो टूर गाइड की बारीकियां बताई

नई टिहरी(आरएनएस)। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद के तत्वाधान में नव दुर्गा मंदिर बौराड़ी की लाइब्रेरी हॉल में युवाओं को एस्ट्रो टूर गाइड की बारीकिया बताई जा रही है। 15 दिवसीय इस प्रशिक्षण में स्टार स्केप हल्द्वानी से आए विशेषज्ञ हेम शर्मा और राजू गोस्वामी युवाओं को ग्रहों, गहरे आसमान के साथ चांद और सूर्या के अवलोकन के बारे में बता रहे हैं।

उन्होंने बताया स्वरोजगार की दृष्टि से युवाओं के लिए यह योजना काफी अच्छी साबित होगी। विगत कई वर्षों से देश के मैदानी क्षेत्रों से पहाड़ों में रात को तारामंडल, ग्रहों और अन्य खगोलीय घटनाओं को देखने के लिए पर्यटक आ रहें हैं। अब तक कई युवा स्टार स्केप से प्रशिक्षण लेकर स्वरोजगार के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। शाम को 5 से 8 बजे के बीच में एस्ट्रो टूर गाइड का स्पेशल सेशन संचालित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण निशुल्क दिया जा रहा है। वहीं उत्तराखंड डेवलपमेंट बोर्ड की एडिशनल डॉयरेक्टर पूनम चंद ने प्रशिक्षण ले रहे युवाओं को वर्चुअल माध्यम से संबोधन करते हुए कहा कि आने वाले समय में एस्ट्रो टूर गाइड युवाओं के क्षेत्र में स्वरोजगार का बड़ा साधन बनेगा।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

-प्रबंधक विज्ञापन

असुरक्षित बच्चों की पहचान, पुनर्वास और सहायता को लेकर प्रशासन सतर्क

संवाददाता

पौड़ी। जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने कहा कि असुरक्षित बच्चों की पहचान, पुनर्वास और सहायता को लेकर प्रशासन सतर्क है।

आज यहां जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला बाल कल्याण समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बच्चों के संरक्षण, शिक्षा, पुनर्वास, महिला कल्याण तथा बाल अधिकारों से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि केवल मामलों का निस्तारण करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि कार्यों की गुणवत्ता और प्रभावशीलता सुनिश्चित करना भी अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि विभाग संवेदनशीलता के साथ कार्य करते हुए जरूरतमंद बच्चों और महिलाओं तक योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुंचाना सुनिश्चित करे। चारधाम यात्रा सीजन को देखते हुए जिलाधिकारी ने यात्रा मार्गों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

उन्होंने संबंधित विभागों को संयुक्त रूप से सघन बचाव एवं पुनर्वास अभियान चलाने को कहा, ताकि कोई भी बच्चा असुरक्षित स्थिति में अथवा बाल श्रम में संलिप्त न मिले। इसके साथ ही उन्होंने कोटद्वार बस स्टेशन पर चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एक्सटेंशन के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। बैठक में परिवीक्षा कार्यालय की ओर से प्रवीण कुमार ने विभाग एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के माध्यम से प्राप्त मामलों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। बताया गया कि प्राप्त सभी मामलों का शत-प्रतिशत निस्तारण किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त जनवरी से मार्च 2026 तक बाल देखरेख संस्थाओं में पंजीकृत मामलों, स्पॉन्सरशिप योजनाओं तथा स्कूलों एवं कॉलेजों में संचालित जागरुकता कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई।

बाल अधिकारों के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जिलाधिकारी ने बीडीसी बैठकों एवं बहुद्देशीय शिविरों में परिवीक्षा विभाग के स्टॉल और हेल्प डेस्क स्थापित करने के प्रस्ताव को तत्काल स्वीकृति प्रदान की। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को विभिन्न प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से रोजगारपरक एवं उपयोगी प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें। बच्चों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को समन्वय स्थापित कर बच्चों हेतु समयबद्ध मनोवैज्ञानिक सहायता एवं चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पॉक्सो पीड़ित बालिकाओं को आर्थिक सहायता में किसी प्रकार की देरी न होने देने पर जोर देते हुए आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध सरकारी मदों से तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए प्रस्ताव तैयार करने को कहा। महिला कल्याण से जुड़े मामलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने विधवा महिलाओं की लंबित पेंशन (एरियर) बिना विलंब जारी करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति के अध्यक्ष राकेश चंद्र, जिला शिक्षाधिकारी (प्राथमिक) अंशुल बिष्ट, जिला खेल अधिकारी जयबीर रावत सहित समिति के सदस्य एवं संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने गेहूं की फसल पर क्रॉप कटिंग कर परखी उपज क्षमता

हमारे संवाददाता

चम्पावत। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने आज तहसील चम्पावत के ग्राम कनलगाँव पहुंचकर कृषक सुभाष ताडागी के खेत में गेहूं की फसल पर क्रॉप कटिंग प्रयोग संपन्न कराया।

इस दौरान जिलाधिकारी मनीष कुमार, स्वयं खेत में पहुंचे और महिला कृषकों के साथ गेहूं की फसल काटते हुए खेत में कार्य कर रही महिला कृषकों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी भी प्राप्त करते हुए उन्होंने मुख्य कृषि अधिकारी को निर्देशित किया कि महिला कृषकों को कृषि कार्यों में सुविधा प्रदान करने हेतु पावर टीलर सहित अन्य आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जाएं, ताकि कृषि कार्यों को सरल एवं अधिक उत्पादक बनाया जा सके।

कृषि एवं सांख्यिकी विभाग की निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कृषक के खेत में 30 वर्ग मीटर के दो प्लॉट चयनित किए गए, जिन पर क्रॉप कटिंग प्रयोग किया गया। प्रथम प्लॉट से 13 किलोग्राम 900 ग्राम तथा दूसरे प्लॉट से 12 किलोग्राम 400 ग्राम गेहूं की उपज प्राप्त हुई। क्रॉप कटिंग के बाद प्रथम प्लॉट से 5 किलोग्राम गेहूं की बालियों के नमूनों को सुरक्षित रखते हुए वैज्ञानिक प्रक्रिया के तहत 15 दिनों तक सुखाने के उपरांत पुनः तौला जाएगा, जिससे वास्तविक एवं सटीक उपज का आंकलन किया जा सके।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में विभिन्न फसलों की औसत उपज, उत्पादन एवं उत्पादकता का निर्धारण क्रॉप कटिंग प्रयोगों के माध्यम से ही किया जाता है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित कृषि उत्पाद आधारित विभिन्न योजनाओं के लिए विश्वसनीय डाटा बेस तैयार करने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इन आंकड़ों के आधार पर सरकार द्वारा कृषि योजनाओं का निर्माण किया जाता है तथा किसानों को विभिन्न लाभ प्रदान किए जाते हैं।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कृषक सुभाष ताडागी से खेत में उपयोग किए गए बीज, उर्वरक, सिंचाई व्यवस्था तथा कीटनाशकों के संबंध में जानकारी भी प्राप्त की। इस अवसर पर मुख्य कृषि अधिकारी धनपत कुमार, अपर सांख्यिकी अधिकारी जुगल किशोर पांडे, कृषि, राजस्व एवं सांख्यिकी विभाग के अन्य अधिकारी-कर्मचारी तथा ग्रामीण उपस्थित रहे।

कामकाजी महिलाएं गर्मियों के दौरान इन ब्यूटी टिप्स को अपनाएं, लगेंगी खूबसूरत

गर्मियों में कामकाजी महिलाओं के लिए मेकअप और त्वचा की देखभाल को संभालना मुश्किल हो सकता है। इस मौसम में पसीना और उमस त्वचा को चिपचिपा बना देती है, जिससे मेकअप भी खराब हो सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे आसान और असरदार ब्यूटी टिप्स बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप गर्मियों में भी ताजगी और खूबसूरती के साथ ऑफिस जा सकती हैं और खुद को तरोताजा महसूस कर सकती हैं।

गर्मियों में त्वचा पर मृत कोशिकाएं और गंदगी जमा हो जाती है, जिससे त्वचा बेजान और थकी-थकी सी लगती है। इससे छुटकारा पाने के लिए नियमित रूप से त्वचा की सफाई करना जरूरी है। हफ्ते में 2-3 बार हल्के हाथों से स्क्रब करें, ताकि मृत त्वचा हट जाए और त्वचा को नई ऊर्जा मिले। इससे आपकी त्वचा साफ और ताजगी भरी महसूस होगी और मेकअप भी लंबे समय तक टिकेगा।

गर्मियों में भारी क्रीम का इस्तेमाल करने से त्वचा चिपचिपी लग सकती है, जिससे बचने के लिए हल्की जेल आधारित क्रीम लगाएं। यह त्वचा को नमी प्रदान करेगी और चिपचिपाहट भी नहीं होगी। जेल आधारित क्रीम जल्दी अवशोषित हो जाती है और त्वचा को ताजगी भरी महसूस कराती है। इसके अलावा यह पसीने को भी कम करती है और त्वचा को ठंडक देती है, जिससे आप पूरे दिन तरोताजा महसूस करेंगी।

चाहे बादल हों या धूप, रोजाना धूप से बचाव की क्रीम लगाना बहुत जरूरी है, क्योंकि यह आपकी त्वचा को हानिकारक किरणों से बचाती है। इसे लगाने से पहले अपने चेहरे को अच्छी तरह साफ करें और फिर अपने चेहरे, गर्दन और हाथों पर अच्छी तरह लगाएं। इसे हर 2-3 घंटे के बाद दोबारा लगाएं, खासकर अगर आप बाहर हैं तो। इससे आपकी त्वचा सुरक्षित रहेगी और झुलसने का खतरा कम होगा।

गर्मियों में भारी और गहरे रंग की लिपस्टिक लगाने से होंठ चिपचिपे लग सकते हैं। इसलिए, गुलाबी, पीच या न्यूड जैसे हल्के रंग चुनें। ये रंग न केवल आपको ताजगी भरी लुक देंगे, बल्कि पूरे दिन आरामदायक भी महसूस होगा। इसके अलावा हल्के रंग की लिपस्टिक आपके चेहरे पर एक प्राकृतिक चमक भी लाएगी और आपको हर समय खूबसूरत महसूस करवाएगी। इस तरह आप गर्मियों में भी स्टाइलिश और आरामदायक दिख सकती हैं।

गर्मियों में बालों को संभालना मुश्किल हो सकता है, इसलिए उन्हें साधारण रखें। पोनीटेल, जूड़ा या फिर चोटी जैसे हेयरस्टाइल आपके लिए बेहतरीन विकल्प हो सकते हैं। ये न केवल स्टाइलिश दिखते हैं, बल्कि पसीने से भी बालों की सुरक्षा करते हैं और उन्हें उलझने से बचाते हैं। इन ब्यूटी टिप्स को अपनाकर आप गर्मियों में भी ताजगी और खूबसूरती के साथ ऑफिस जा सकती हैं और खुद को तरोताजा महसूस कर सकती हैं।

वजन घटाने के लिए डाइट में शामिल करें ये भारतीय खाद्य पदार्थ, मिलेगा फायदा

वजन घटाने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते, फिर भी सफल नहीं हो पाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि सिर्फ व्यायाम और डाइट पर ध्यान देना काफी नहीं है। इसके साथ ही सही खान-पान का भी ध्यान रखना जरूरी है। इसके लिए डाइट में ऐसे खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए, जो शरीर की ऊर्जा बढ़ाने से लेकर भूख कम करने जैसे कई लाभ प्रदान कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि वजन घटाने के लिए क्या-क्या खान-पान करना चाहिए।

दही एक ऐसा दूध से बना उत्पाद है, जो प्रोटीन, कैल्शियम, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह शरीर की ऊर्जा को बढ़ावा देने और पेट की चर्बी को कम करने में मदद कर सकता है। इसके अलावा दही में अच्छे बैक्टीरिया होते हैं, जो पाचन क्रिया को सही रखने में मदद कर सकते हैं। वजन घटाने के लिए दही में कुछ चम्मच ओट्स मिलाकर खाएं। यह सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

हरी चाय में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद कर सकते हैं। इसका सेवन शरीर की ऊर्जा को तेज करने और भूख को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है। अगर आप रोजाना एक कप हरी चाय का सेवन करते हैं, तो इससे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में मदद मिल सकती है। यह सेहत के लिए फायदेमंद होता है।

तिल सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं, क्योंकि ये कई जरूरी विटामिन और खनिजों का अच्छा स्रोत होते हैं। यह पाचन तंत्र को सुधारने में भी मदद करता है। इसके अलावा तिल में ऐसे फैटी एसिड होते हैं, जो शरीर की ऊर्जा को बढ़ावा देने और भूख को नियंत्रित करने में मदद कर सकते हैं। तिल का सेवन सेहत के लिए लाभदायक होता है।

बादाम

बादाम में विटामिन-ई के साथ-साथ फाइबर और प्रोटीन होते हैं। ये गुण बादाम को वजन घटाने के लिए एक अच्छा विकल्प बनाते हैं। बादाम का सेवन भूख को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है और वजन घटाने के लिए जरूरी पोषक तत्व प्रदान कर सकता है। इसके अलावा बादाम का सेवन शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में भी मदद कर सकता है।

हड्डियों को धीरे-धीरे कमजोर कर रही हैं ये ड्रिंक्स, इन से बना लें अभी से ही दूरी

आपकी दिनचर्या में कुछ ऐसी ड्रिंक्स हो सकती हैं, जो आपकी हड्डियों को पिघलाने वाली हो और हर रोज आपकी हड्डियों को कमजोर कर रही हो। यह ड्रिंक्स आपके स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती हैं और हड्डियों की मजबूती को कम कर सकती हैं।ऐसा ड्रिंक्स जिसमें अधिक मात्रा में अल्कोहल, कॉफीन, कार्बोनेटेड बीवरेज, और अधिक शुगर वाले सोडा अगर आप इसे अपने ड्रिंक्स में शामिल करते हैं तो यह आपकी हड्डियों को कमजोर और आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकते हैं।

इन तत्वों का अधिक सेवन ऑस्टियोपोरोसिस (अस्थिभंग) जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है, जिसमें हड्डियों की कमी होती है। इसलिए, स्वस्थ आहार, पर्याप्त कैल्शियम और विटामिन डी का सेवन, और नियमित व्यायाम का महत्वपूर्ण है जो हड्डियों को स्वस्थ और मजबूत रखने में मदद कर सकते हैं।

सोडा:- सोडा में मौजूद कैफीन और अधिक मात्रा में शक्कर हमारे हड्डियों को नुकसान पहुंचा सकती है। यह हड्डियों के कैल्शियम स्तर को कम करने के साथ-साथ उनके मजबूती को भी कम कर सकती है।

अधिक कैफीन:- अधिक मात्रा में कैफीन का सेवन करने से भी हड्डियों के कैल्शियम स्तर में गिरावट हो सकती है, जो कि उन्हें कमजोर बना सकता है।

अल्कोहल:- अधिक मात्रा में अल्कोहल का सेवन भी हड्डियों को प्रभावित कर सकता है और उन्हें कमजोर बना सकता है।

सुगरी ड्रिंक्स:- सुगरी ड्रिंक्स में मौजूद शक्कर हमारे हड्डियों को कमजोर बना सकती है और उन्हें नुकसान पहुंचा सकती है।

इन ड्रिंक्स से बचने के लिए, सही आहार और स्वस्थ जीवनशैली का पालन करें, ताकि आपकी हड्डियां स्वस्थ और मजबूत बना रहें। आप हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए निम्नलिखित पेय पदार्थ अपनी दैनिक जीवन में शामिल कर सकते हैं। आइए जानते हैं।।

दूध और दूध के उत्पाद:- दूध, दही, पनीर, योगर्ट आदि में प्राकृतिक कैल्शियम और प्रोटीन होता है जो हड्डियों की मजबूती को बढ़ावा देता है।हड्डियों को धीरे-धीरे कमजोर कर रही हैं ये पीने की चीजें, आज ही इनसे दूरी बना लें

ग्रीन टी:- ग्रीन टी में आयरन, विटामिन क और अंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करते हैं।

नारियल पानी:- नारियल पानी में पोटैशियम, मैग्नीशियम और कैल्शियम होता है जो हड्डियों की मजबूती को बढ़ावा देता है।

एप्पल जूस:- एप्पल जूस में विटामिन सी और फाइटोकेमिकल्स होते हैं, जो हड्डियों के स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करते हैं।

हरी सब्जी और फल:- हरी सब्जी और फल में विटामिन्स, मिनरल्स और फाइटोन्यूट्रिएंट्स होते हैं, जो हड्डियों को मजबूती प्रदान करते हैं।

शब्द सामर्थ्य -041

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

1		2	■	■	■	3		
	■		■	4	5		■	■
6	7		8	■		■	■	9
■	10			■	11	12	13	
■	14		■	15				
16		■	■		■	■		■
17			18		■	19		■
	■	■		■	20	■	■	21
22				■	23			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 40 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

चेहरे पर फाउंडेशन सही तरीके से कैसे लगाएं?

मेकअप एक आर्ट है और इसे कभी भी जल्दबाजी में नहीं करना चाहिए। फाउंडेशन चेहरे का बेस होता है और इस बेस मेकअप पर दूसरे कई और प्रोडक्ट अप्लाई किए जाते हैं। ऐसे में अगर बेस सही नहीं होगा तो इसके ऊपर लगा सारा मेकअप भद्दा नजर आएगा। अगर आप प्रोफेशनल लुक चाहती हैं तो आपको लिक्विड फाउंडेशन लगाने के तरीके के साथ यह भी जानना होगा कि फाउंडेशन लगाने से पहले और बाद में किन बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

इन स्टेप्स को फॉलो करते हुए लगाएं लिक्विड फाउंडेशन, चेहरा दिखेगा बेहद खूबसूरत

सबसे पहले स्किन मॉश्चराइज करें:

फाउंडेशन लगाने से पहले चेहरे को धो ले और उसे मॉश्चराइज करें। अगर आपकी स्किन ऑयली हो तो ऑयल फ्री मॉश्चराइजर का यूज करें। मॉश्चराइजिंग हर स्किन के लिए जरूरी है और सबसे जरूरी स्टेप है।

प्राइमर को कभी न करें नजर अंदाज:

मॉश्चराइज करने के बाद स्किन मेकअप के लिए तैयार हो जाती है। अब फाउंडेशन लगाने से पहले दूसरा सबसे जरूरी काम है स्किन पर प्राइमर लगाना। प्राइमर मटर के दाने के बराबर लेकर इसे चेहरे और गर्दन पर अच्छे से लगाएं। प्राइमर स्किन को फाउंडेशन के लिए तैयार करती है और इसे लगाने से फाउंडेशन आसानी से एक समान स्किन पर लगता है। एक तरह से प्राइमर पटरी की तरह होता है, जिस पर फाउंडेशन नुमा रेल चलती है। प्राइमर न लगाया जाए तो इससे फाउंडेशन का बैलेंस बिगड़ने का खतरा रहेगा। ये कहीं कम तो कहीं ज्यादा लग जाएगा।

स्किन कैरेक्टर का करें यूज:

प्राइमर के बाद बारी आती है स्किन कैरेक्टर की। अगर आपकी स्किन पर दाग-धब्बे हैं या स्किन का कलर कहीं गहरा तो कहीं हल्का है, तब इसे लगाना चाहिए। अगर स्किन पर दाग हैं तो आपको ग्रीन कलर कैरेक्टर लगाना चाहिए और अगर स्किन पर डार्कनेस है तो पिंक कलर कैरेक्टर लगाएं। इसे प्रभावित स्किन पर लगाएं और थपथपाते हुए स्किन में मिलाएं। याद रखें इसे रगड़ें नहीं।

अब इस तरह से लगाएं फाउंडेशन:

कैरेक्टर के बाद बारी आती है फाउंडेशन की। लिक्विड फाउंडेशन को पहले अपने हाथ में लें और इसके बाद इसे डॉट-डॉट कर पूरे चेहरे पर लगाएं। अब एक ब्रश से फाउंडेशन को अच्छी तरह पूरी स्किन पर फैला लें। अब एक ब्यूटी ब्लैंडर को हल्का गीला करें और अच्छी तरह पानी निचोड़ कर उसे स्किन पर थपथपाएं। याद रखें इसे रगड़ने या फैलाने का काम न करें। इससे फाउंडेशन हट जाएगा। इसे केवल थपथपाते हुए पूरे चेहरे पर ब्लैंड करें। इससे फाउंडेशन अच्छी तरह स्किन में मिक्स हो जाएगा।

शिशु को ग्राइप वॉटर देना कितना सुरक्षित है?

छोटे बच्चे रोकर ही अपनी बात कहते हैं। बच्चे की भाषा को मां से बेहतर और कोई नहीं समझ सकता है। वैसे तो बच्चे का रोना सामान्य बात है। पेट भरा होने पर भी शिशु दांत आने या कोलिक की स्थिति में बहुत ज्यादा रो सकता है।

कोलिक बेबी कई घंटों तक लगातार रो सकता है और कभी पेट दर्द या अन्य किसी वजह से बच्चा रोता है। बच्चे को आराम देने के लिए ग्राइप वॉटर पर विश्वास किया जाता है। आइए जानते हैं कि शिशु को दिए जाने वाला ग्राइप वॉटर कितना सुरक्षित है।

क्या होता है ग्राइप वॉटर

शिशु में कोलिक के लक्षणों से राहत दिलाने के लिए डॉक्टर के पर्चे के बिना कई प्रोडक्ट मिलते हैं। आपको इनमें से वही विकल्प चुनना चाहिए जो सुरक्षित हो। ग्राइप वॉटर लिक्विड रूप में आता है और यह एक हर्बल उपाय है। इसमें सौंफ, अदरक, कैमोमाइल, मुलेठी, दालचीनी और लेमन बाम होता है।

गैस होने पर पेट दर्द की वजह से बच्चे ज्यादा रोते हैं। कुछ बच्चे दिन में लगातार कई घंटों तक रोते हैं तो कुछ में यह समस्या कई सप्ताह तक देखी जा सकती है। चूंकि, जड़ी-बूटियां पाचन में मदद करती हैं इसलिए ग्राइप वॉटर का इस्तेमाल कोलिक से राहत पाने के लिए किया जा सकता है। दांत आने पर दर्द होने और हिचकी के लिए भी ग्राइप वॉटर का इस्तेमाल किया जाता है।

क्या शिशु के लिए ग्राइप वॉटर सुरक्षित है

कई तरह के ग्राइप वॉटर होते हैं। शुगर और एल्कोहल युक्त ग्राइप वॉटर भी आता है। बहुत ज्यादा शुगर की वजह से दांतों में कीड़ा लग सकता है और इससे शिशु के दूध पीने में भी बदलाव आ सकता है।

आप ऐसे ग्राइप वॉटर को चुनें जो शिशु के लिए सुरक्षित हों। पैकेट पर लिखी गई सामग्रियों को अच्छी तरह से पढ़ने के बाद ही खरीदें। आप सोडियम बायोकार्बोनेट और पुदीना युक्त ग्राइप वॉटर भी दे सकते हैं।

सोडियम बायोकार्बोनेट या बेकिंग सोडा डॉक्टर की सलाह के बिना कोलिक बेबी को नहीं देना चाहिए। इससे शिशु के पेट में पीएच लेवल पर असर पड़ सकता है और शिशु में कोलिक के लक्षण गंभीर हो सकते हैं। पुदीना युक्त ग्राइप वॉटर शिशु में रिफलक्स के लक्षणों को बढ़ा सकता है। ग्लूटेन, डेयरी, पैराबींस और वेजिटेबल कार्बन युक्त ग्राइप वॉटर देने से भी बचना चाहिए।

मीरा राजपूत ने महिलाओं के मानसिक सुकून पर कही दिल की बात

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में महिलाएं कई भूमिकाएं निभाती हैं। ऐसे में मानसिक थकान और दबाव महसूस करना स्वाभाविक है। इसी विषय पर बात करते हुए मीरा राजपूत कपूर ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि महिलाओं को कभी-कभी हर छोटी-बड़ी जिम्मेदारी और फैसलों से दूर होकर खुद के लिए समय निकालना चाहिए, ताकि वे मानसिक रूप से हल्का महसूस कर सकें। मीरा राजपूत ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने मायके में बिताए समय के अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा, अपने माता-पिता के घर पर रहना एक अलग तरह का सुकून देता है। मायके में मैं खुद को ज्यादा सहज महसूस करती हूं। यहां मुझे किसी तरह का दबाव महसूस नहीं होता। वीडियो में मीरा आगे कहती हैं, काफी समय बाद मैं इस तरह खुलकर अपने मन की बात साझा कर रही हूं। जब मैं अपनी मां के घर पर थी, तब मुझे एहसास हुआ कि कुछ जगहें और रिश्ते ऐसे होते हैं, जो हमें बिना किसी शर्त के सुकून देते हैं। इस अनुभव को शब्दों में पूरी तरह बयां करना मुश्किल है।

मीरा ने कहा, महिलाओं को हर समय फैसले लेने की जिम्मेदारी निभानी पड़ती है। दिनभर उन्हें यह तय करना होता है कि घर में क्या बनेगा, कौन कहां जाएगा, कौन सा काम पहले करना है और कौन सा बाद में। यह लगातार चलने वाली प्रक्रिया उन्हें मानसिक रूप से थका देती है। जब कुछ समय के लिए कोई उनसे कुछ नहीं पूछता, तो दिमाग को बहुत राहत मिलती है।

उन्होंने आगे कहा, महिलाएं सिर्फ फैसले ही नहीं लेतीं, बल्कि हर दिन कई विकल्पों में से सही चुनाव भी करती हैं। यह जिम्मेदारी बहुत बड़ी होती है और इसका असर मानसिक स्थिति पर पड़ता है। जब किसी महिला को कुछ समय के लिए इन सभी फैसलों और जिम्मेदारियों से छुटकारा मिलता है, तो उसे एक अलग ही तरह की शांति और सुकून महसूस होता है। यही वह समय होता है, जब वह खुद को फिर से ऊर्जा से भर पाती है।

मीरा ने महिलाओं को सलाह देते हुए कहा, समय-समय पर खुद को ब्रेक देना बहुत जरूरी है। अगर संभव हो, तो कुछ समय के लिए फोन बंद कर देना चाहिए और सिर्फ उस पल को जीने की कोशिश करनी चाहिए। ऐसा करने से मन हल्का होता है और हम अपने आसपास की चीजों को ज्यादा गहराई से महसूस कर पाते हैं।

उन्होंने कहा, जीवन के छोटे-छोटे पल ही असली खुशी देते हैं। जैसे बच्चों को खेलते हुए देखना, माता-पिता के साथ बिना किसी काम के समय बिताना, उनके साथ टहलना या हंसना, ये सभी चीजें हमें अंदर से खुश करती हैं। जब हम इन पलों को बिना किसी चिंता के जीते हैं, तब हमें असली सुकून मिलता है।

वीडियो के आखिर में मीरा राजपूत ने कहा, महिलाएं अपने लिए ऐसी जगह, इंसान या माहौल जरूर ढूंढें, जहां उन्हें किसी तरह का दबाव महसूस न हो और जहां उन्हें फैसले लेने की जरूरत न पड़े। कभी-कभी खुद से कोई सवाल न पूछना और बस उस पल में जीना भी बहुत जरूरी होता है।

गोल्डन साड़ी में काजल अग्रवाल ने बिखेरा जलवा

एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने एक बार फिर अपने स्टाइल और ग्रेस से फैंस का दिल जीत लिया है। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की है, जिनमें उनका एलिगेंट और ग्लैमरस अंदाज देखने को मिला रहा है। ट्रेडिशनल साड़ी को मॉडर्न टच के साथ कैरी करते हुए काजल ने फैंस को एक नया फैशन इंस्पिरेशन दिया है। उनका ये लुक ना सिर्फ क्लासी है, बल्कि शादी या फेस्टिव मौके के लिए भी परफेक्ट ऑप्शन है।

काजल ने गोल्डन शिमरी साड़ी पहनी है, जिसमें हल्की चमक उनके पूरे लुक को रॉयल टच दे रही हैं। उन्होंने हाई-नेक, फुल स्लीव्स वाला एम्ब्रॉयडरी ब्लाउज कैरी किया है, जो बहुत ही डिटेल्ड और स्टाइलिश लग रहा है। साड़ी को उन्होंने बहुत सलीके से ड्रेप किया है, जिससे उनका फिगर और भी एन्हांस हो रहा है। बालों को उन्होंने जूड़ा में बांधा है, जिससे उनका लुक क्लीन और एलिगेंट दिख रहा है। न्यूड मेकअप के साथ सॉफ्ट आई मेकअप और हल्के लिप शेड ने उनके चेहरे की नेचुरल ब्यूटी को हाइलाइट किया है। उन्होंने मिनिमल ज्वेलरी पहनी है, जिसमें छोटे ईयररिंग्स ओवरऑल लुक को बैलेंस कर रहे हैं। उनका पूरा लुक ट्रेडिशनल और मॉडर्न का परफेक्ट मिक्स है, जो उन्हें ग्रेसफुल और क्लासी बना रहा है।

ग्राम पंचायत कांडा में गहराया पेयजल संकट

कोटद्वार(आरएनएस)। रिखणीखाल ब्लॉक की ग्राम पंचायत कांडा में पेयजल संकट गहरा गया है। प्रधान बिनीता ध्यानी ने समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है। उन्होंने पेयजल निर्माण निगम द्वितीय शाखा के अधिशासी अभियंता अजय बेलवाल से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा।

ग्राम प्रधान बिनीता ध्यानी ने बताया कि कांडा के खेड़ा, तुणीचौड़, गजरोड़ा और बैडवाड़ी गांवों में पेयजल की गंभीर समस्या है। गांवों को डांडापाणी रौला से पानी मिलता है जो सुचारू नहीं है। बुडोला खोला के लिए केरिगाड स्रोत और सौंटियाल खोला चौड़ के लिए खलगड़ी रौला की योजनाएं भी ठीक से काम नहीं कर रही है। गांव के कई तोकों में पानी की आपूर्ति बाधित है।

खेड़ा, बैडवाड़ी, गजरोड़ा का वितरण टैंक मात्र पांच हजार लीटर का है जो 40 परिवारों के लिए पर्याप्त नहीं है। इसकी क्षमता दस हजार लीटर करने की मांग की गई है। दियोड़, जवाड़ियूं रौला, बिरोबाड़ी और भैंस्यारी में भी पेयजल समस्या है। जवाड़ियूं रौला के 25 परिवारों को योजना से जोड़ा गया था पर यह मुख्य वितरण टैंक से अलग हो गया। पाइपलाइन च्वरपणी स्रोत से बार-बार टूटती है। वन्य जीव और आपदा भी पेयजल लाइन को क्षतिग्रस्त करते हैं। अधिशासी अभियंता ने सभी मांगों पर कार्रवाई कर स्थायी समाधान का भरोसा दिया है।

यूपी से कोटद्वार आने वालों की कट रही जेब, रोष

कोटद्वार(आरएनएस)। चार पहिया वाहनों से अन्य राज्यों से उत्तराखंड में आने वालों पर ग्रीन सेस शुल्क लागू किया गया है। इस व्यवस्था का दंश उन लोगों को भुगतना पड़ रहा है जो यूपी के सीमांत क्षेत्रों से रोजाना ही कोटद्वार आवाजाही करते हैं। कार से आने वाले लोगों को रोजाना ही शुल्क वहन करना पड़ रहा है। उन्हें ग्रीन सेस में कोई छूट नहीं मिल रही है और न ही विभाग की ओर से मासिक पास बनाने की कोई व्यवस्था शुरू की गई है।

उत्तराखंड-उत्तर प्रदेश सीमा पर कौड़िया पुलिस चौकी क्षेत्र में ग्रीन सेस संयंत्र लगाया गया है। गैर राज्यों में पंजीकृत चार पहिया वाहन के उत्तर प्रदेश की ओर से उत्तराखंड के कोटद्वार सीमा में प्रवेश करते ही स्वचालित संयंत्र स्वतः ही एक्टिव हो जाता है और वाहन स्वामी के पास ग्रीन सेस शुल्क का मैसेज पहुंच रहा है। उनके खाते से श्रेणीवार शुल्क की राशि की कटौती की जा रही है। ऐसे लोगों का कहना है कि उन्होंने एकमुश्त धनराशि जमा कर पास बनवाना चाहा लेकिन उन्हें सही जानकारी नहीं मिल सकी। रोजाना न्यूनतम 80 रुपये का खर्च वहन करना पड़ रहा है जबकि वे कुछ घंटे कोटद्वार में ही रुककर वापस लौट जाते हैं।

सू- दोकू क्र.041

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.40 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

सेब बगानों को नष्ट कर रहे हैं भालू

उत्तरकाशी(आरएनएस)। गोविंद पशु विहार पार्क क्षेत्र के जखोल न्याय पंचायत अंतर्गत बासनी, सरूका तोक एवं सुनकुंडी क्षेत्र में भालुओं की दहशत लगातार बढ़ रही है। भालुओं ने सेब बगानों में घुसकर पेड़ों और फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है जिससे काश्तकारों की वर्षों की मेहनत बरबाद हो रही है। गोविंद वन्य जीव विहार सुपिन रेंज क्षेत्र के जखोल व सुनकुंडी गांवों के विभिन्न तोकों में भालुओं ने सेब के पेड़ों को बुरी तरह नष्ट कर दिया। स्थानीय काश्तकारों का कहना है कि लगातार हो रहे नुकसान के बावजूद विभागीय स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है। जखोल निवासी किसान रावत ने बताया कि पिछले कई वर्षों से सेब बागानों की सुरक्षा के लिए घेरबाड़ लगाने की मांग की जा रही है। इस संबंध में गोविंद पार्क एवं राजाजी टाइगर रिजर्व अधिकारियों को प्रस्ताव भी भेजे गए लेकिन आज तक वे फाइलों में ही दबे पड़े हैं। उन्होंने कहा कि विभाग की ओर से बागानों में वॉइस सिस्टम लगाने का आश्वासन दिया गया था लेकिन वह योजना भी आज तक धरातल पर नहीं उतर सकी। वहीं सुरक्षा के लिए लगाए गए सोलर सिस्टम भी ठेकेदार बाद में उखाड़कर वापस ले गए। किसान फते सिंह, नथी सिंह, किशन सिंह, जोत सिंह, मोहन सिंह, गुड्डू, राजेश, कमल सिंह एवं राजेंद्र सिंह रावत ने बताया कि जहां भालू सेब बागानों और अन्य फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं वहीं जंगली सूअर गेहूं और आलू की फसलों को तहस-नहस कर रहे हैं। चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सुरक्षा, मुआवजा और घेरबाड़ की व्यवस्था नहीं की गई तो वे उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। वहीं गोविंद पशु विहार की उप निदेशक निधि सेमवाल ने बताया कि मुआवजे को लेकर नियमावली में संशोधन का प्रस्ताव भेजा गया है। भालुओं को भगाने के लिए हर वर्ष सोलर एवं वॉइस सिस्टम लगाए जाते हैं।

गर्मी बढ़ने से एसी-कूलर कारोबारियों के खिले चेहरे

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। मई महीने की शुरुआत में हुई बारिश और ठंडक ने श्रीनगर के एसी और कूलर कारोबारियों की चिंता बढ़ा दी थी। ठंडक के कारण बाजार में खरीदार कम रहे और व्यापार प्रभावित हुआ। हालांकि, पिछले दो दिनों से बढ़ी गर्मी के बाद अब लोग एसी-कूलर खरीदने बाजार पहुंचने लगे हैं, जिससे कारोबारियों के चेहरे फिर खिल गए हैं।

स्थानीय कारोबारी मोहित, आशीष सडाना, अनंत अग्रवाल, प्रीतपाल नरूला और दीपक जैन ने बताया कि पिछले वर्ष की तरह इस बार भी उन्होंने गर्मी की उम्मीद में पहले ही गोदामों में पर्याप्त स्टॉक भर लिया था क्योंकि सीजन में कंपनियों से समय पर सप्लाई मिलना मुश्किल हो जाता है। व्यापारियों के अनुसार कई दुकानदारों ने बाजार से उधार लेकर भी सामान मंगवाया है जिससे उन पर भुगतान और सप्लाई का दबाव बना हुआ है। फिलहाल तापमान बढ़ने के साथ बाजार में उम्मीद लौट आई है और कारोबारियों को आने वाले दिनों में अच्छी बिक्री की उम्मीद है।

जंगली जानवरों से मुक्ति के लिए उक्रांद ने निकाली जन आक्रोश रैली

कोटद्वार(आरएनएस)। पौड़ी गढ़वाल में बढ़ते जंगली जानवरों की दहशत के खिलाफ उत्तराखंड क्रांति दल की ओर से जयहरीखाल क्षेत्र में जन आक्रोश रैली निकाली गई।

रैली में बड़ी संख्या में महिलाएं और युवा भी शामिल हुए।यूकेडी के लैंसडौन विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष कुलदीप रावत के नेतृत्व में निकाली गई जन आक्रोश रैली के दौरान प्रदर्शनकारियों ने कहा कि क्षेत्र में गुलदार, भालू व अन्य जंगली जानवरों के हमले लगातार बढ़ रहे हैं। आए दिन ग्रामीणों व पालतू पशुओं पर हमले हो रहे हैं। शासन-प्रशासन प्रभावी कदम उठाने में नाकाम साबित हो रहा है।

यूकेडी लैंसडौन विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष कुलदीप रावत ने कहा कि पहाड़ के गांवों में लोगों का जीवन असुरक्षित हो चुका है। ग्रामीण शाम होते ही घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं। सरकार को पहाड़ के लोगों की समस्याओं के प्रति गंभीर होना चाहिए और केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं रहना चाहिए।

विधानसभा क्षेत्र के अध्यक्ष ने कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल हमेशा स्थानीय मुद्दों, भू-कानून, रोजगार, पलायन और पहाड़ की जनता के अधिकारों की लड़ाई लड़ता आया है। रैली के दौरान यूकेडी कार्यकर्ताओं ने हस्ताक्षर अभियान भी चलाया, जिसमें शामिल ग्रामीणों ने जंगली जानवरों के आतंक से निजात दिलाने एवं ग्रामीणों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग का समर्थन किया।रैली में यूकेडी जिलाध्यक्ष संदीप रौतेला, महेंद्र गुसाईं मौजूद रहे। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

जयहरीखाल में निकाली जनआक्रोश रैली के दौरान दो मिनट का मौन रखकर पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भुवनचंद्र खंडूरी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने उनके योगदान को याद करते हुए उन्हें उत्तराखंड की राजनीति का सादगीपूर्ण और प्रेरणादायक व्यक्तित्व बताया।

श्रीनगर में एक्यूआई 390 के करीब

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। एचएनबी गढ़वाल विवि के भौतिकी विभाग स्थित हिमालयी वातावरणीय एवं अंतरिक्ष भौतिकी शोध प्रयोगशाला ने मौसमीय परिवर्तन एवं वायु गुणवत्ता का चतुर्थ सूचना बुलेटिन जारी किया। यह बुलेटिन श्रीनगर एवं आसपास के हिमालयी क्षेत्रों में मौसम, वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) तथा ब्लैक कार्बन स्तरों पर आधारित है। इसके तहत श्रीनगर में एक्यूआई 390 के करीब है जो वायु गुणवत्ता की दृष्टि से बहुत ही खराब है। जंगलों की आग और ब्लैक कार्बन से खतरा बढ़ा है।

भौतिकी विभाग, बिरला परिसर में विभागाध्यक्ष प्रो. त्रिलोक चंद्र उपाध्याय ने कहा कि डॉ. आलोक सागर गौतम एवं उनकी शोध टीम अमनदीप विश्वकर्मा, अंकित कुमार और सरस्वती रावत को इस पर अध्ययन किया है। बुलेटिन जारी करते हुए डॉ. गौतम ने कहा कि 6 से 20 मई के बीच श्रीनगर क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में लगातार गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती दिनों में एक्यूआई मध्यम श्रेणी में रहा लेकिन 10 मई को यह 215 तक पहुंच गया जो खराब श्रेणी माना जाता है। 19 मई को एक्यूआई 356 तथा 20 मई की सुबह लगभग 10 बजे यह बढ़कर करीब 390 तक पहुंच गया जो वेरी पुअर से सीवियर श्रेणी के निकट है। इस स्तर पर वातावरण में ब्लैक कार्बन और धुएं की मात्रा अत्यधिक बढ़ जाती है, जिससे सांस लेने में परेशानी, आंखों में जलन, एलर्जी, अस्थमा और हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

शोधकर्ताओं ने लोगों को दोपहर की तेज धूप से बचने, पर्याप्त पानी पीने, एक्यूआई अधिक होने पर मास्क का उपयोग करने तथा बच्चों, बुजुर्गों और श्वसन रोगियों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। वैज्ञानिकों ने वनाग्नि नियंत्रण, स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग, कृषि अवशेष प्रबंधन तथा वायु गुणवत्ता की सतत निगरानी को समय की आवश्यकता बताया है।

नगर क्षेत्र में 7 मई को अधिकतम तापमान लगभग 27 डिग्री सेल्सियस था जो 19 मई तक बढ़कर लगभग 39 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। यानि दो सप्ताह के बीच तापमान में करीब 12 डिग्री सेल्सियस की बढ़ोतरी दर्ज की गई। वैज्ञानिकों ने इसे हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ते हीट स्ट्रेस का संकेत बताया है। बढ़ता तापमान, जंगलों में आग, जल स्रोतों पर दबाव और पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है।

मुख्यमंत्री ने 483 अभ्यर्थियों को प्रदान किये नियुक्ति पत्र

हमारे प्रतिनिधि

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में सिंचाई विभाग एवं कृषि विभाग के अन्तर्गत विभिन्न पदों पर चयनित कुल 483 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। जिसमें 473 पद सिंचाई एवं 10 पद कृषि विभाग के शामिल हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पूर्व मुख्यमंत्री और मेजर जनरल (से.नि) भुवन चंद्र खंडूड़ी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि खंडूड़ी जी ने ऐसे उत्तराखंड का सपना देखा था, जहाँ युवाओं की पहचान उनकी मेहनत और प्रतिभा से हो। उन्होंने कहा आज युवाओं को मिलने जा रहे नियुक्तिपत्र इस बात का प्रमाण है कि राज्य सरकार उनके सवप्नों को पूरा कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा यह नियुक्ति पत्र वितरण प्रतिभाशाली युवाओं की मेहनत, लगन और संकल्प का सम्मान है। उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि निश्चित ही युवा पूरी निष्ठा, ईमानदारी और सेवा-भाव के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए राज्य एवं राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा युवकों की सफलता के पीछे माता-पिता का त्याग, परिवार का संघर्ष और वर्षों की मेहनत छिपी हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा जब भर्ती प्रक्रिया पारदर्शी होती है, तभी व्यवस्था में योग्य और ईमानदार लोग आते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार ने देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया। नकल विरोधी कानून के परिणाम सामने आ रहें हैं। आज नौकरी में चयन, मेहनत और प्रतिभा से हो रहा है। यह नई कार्यसंस्कृति उत्तराखंड की सबसे बड़ी ताकत बन रही है। जिसका परिणाम है कि साढ़े चार वर्षों में सरकार में करीब 33 हजार युवाओं को सरकारी नौकरी मिली है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी का लक्ष्य देवभूमि उत्तराखंड की सेवा करना होना चाहिए। कोई भी विभाग, भवनों और फाइलों से नहीं अपितु कर्मठ और ईमानदार लोगों से चलता है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत-2047 के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राज्य सरकार भी सिंचाई एवं कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

'परेड ग्राउंड से स्मार्ट साइकिलों का गायब होना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक'

हमारे प्रतिनिधि

देहरादून। देहरादून साइक्लिंग क्लब ने परेड ग्राउंड में करोड़ों रुपये की लागत से शुरू की गई स्मार्ट साइकिल परियोजना के बंद होने और साइकिलों के गायब होने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। क्लब ने इसे शहर के लिए दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक बताया है।

क्लब के अध्यक्ष हरि सिमरन सिंह ने कहा कि स्मार्ट साइकिल परियोजना केवल सरकारी योजना नहीं थी, बल्कि देहरादून को प्रदूषण मुक्त, फिट और ट्रैफिक मुक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल थी। उन्होंने कहा कि यदि इस परियोजना का सही संचालन और रखरखाव किया जाता तो हजारों युवा, छात्र, पर्यटक और आम नागरिक इसका लाभ उठा सकते थे। देहरादून साइक्लिंग क्लब ने राज्य सरकार और प्रशासन से परियोजना की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। साथ ही परियोजना पर खर्च हुए करोड़ों रुपये का सार्वजनिक हिसाब देने, सभी स्मार्ट साइकिल स्टैंड दोबारा शुरू करने और शहर में सुरक्षित साइकिल ट्रैक विकसित करने की मांग उठाई है। क्लब ने स्कूलों और कॉलेजों में साइक्लिंग जागरूकता अभियान चलाने तथा "फिट देहरादून, ग्रीन देहरादून" अभियान के तहत नियमित साइक्लिंग कार्यक्रम आयोजित करने की भी मांग की। क्लब का कहना है कि शहर के युवाओं और नागरिकों में साइक्लिंग को लेकर आज भी उत्साह बना हुआ है। जरूरत केवल मजबूत नीति, पारदर्शिता और इच्छाशक्ति की है।

राज्यपाल ने टी-ऑफ कर किया 21वें गवर्नर्स कप गोल्फ टूर्नामेंट का शुभारम्भ

संवाददाता

नैनीताल। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने टी-ऑफ कर 21वें गवर्नर्स कप गोल्फ टूर्नामें का शुभारम्भ किया।

आज यहां लोक भवन गोल्फ कोर्स, नैनीताल में आयोजित 21वां "गवर्नर्स कप गोल्फ टूर्नामेंट" शुरू हो गया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने टी-ऑफ कर प्रतियोगिता का शुभारम्भ किया। तीन दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में इस वर्ष विभिन्न श्रेणियों के 179 गोल्फर प्रतिभाग कर रहे हैं। इस वर्ष का टूर्नामेंट प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी की स्मृति को समर्पित किया गया है। 21वें गवर्नर्स कप गोल्फ टूर्नामेंट में विभिन्न श्रेणियों में कुल 179 गोल्फर प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रतियोगिता में 110 सामान्य श्रेणी के खिलाड़ी, 27 जूनियर खिलाड़ी (जिनमें 6 बालिकाएं शामिल हैं), 9 महिला खिलाड़ी, 29 वेटरन तथा 4 सुपर वेटरन श्रेणी में प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। टूर्नामेंट में सबसे उम्रदराज 81 वर्ष के कर्नल एच.सी गुप्ता और सबसे छोटी प्रतिभागी 7 वर्ष की इलाक्षी राठौड़ प्रतिभाग कर रही है। शुभारंभ के अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि गवर्नर्स कप गोल्फ टूर्नामेंट केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि उत्तराखण्ड की पर्यटन संभावनाओं और खेल क्षमताओं को प्रदर्शित करने का एक प्रभावशाली माध्यम है। उन्होंने इस वर्ष का टूर्नामेंट स्वर्गीय भुवन चंद्र खंडूड़ी जी की स्मृति को समर्पित करते हुए कहा कि राष्ट्र और प्रदेश के विकास के प्रति उनका समर्पण सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। राज्यपाल ने कहा कि इस आयोजन की विशेषता यह भी है कि इसमें 81 वर्ष के वेटरन से लेकर 7

❑स्व. मेजर जनरल भुवन चंद्र खंडूड़ी की स्मृति को समर्पित हुआ टूर्नामेंट

वर्ष की बालिका तक हिस्सा ले रही है, जो खेलों में सभी आयु वर्गों की सहभागिता और पारिवारिक जुड़ाव का सुंदर उदाहरण है। उन्होंने लोक भवन गोल्फ कोर्स, नैनीताल की प्राकृतिक सुंदरता और ऐतिहासिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि यह गोल्फ कोर्स प्रकृति, वन्यजीवन संरक्षण और पर्यटन का अद्भुत संगम हैं। राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त की कि इस बार टूर्नामेंट और उससे जुड़े प्रशिक्षण कार्यक्रमों में युवाओं, बेटियों और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। उन्होंने कहा कि पूर्व में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम से 135 बच्चों ने लाभ लिया, जिनमें बड़ी संख्या में बेटियां शामिल थीं। उन्होंने कहा कि यह उत्तराखण्ड की युवा पीढ़ी और 'अमृत पीढ़ी' के आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की आकांक्षा का सकारात्मक उदाहरण है। राज्यपाल ने कहा कि गोल्फ केवल शारीरिक कौशल का खेल नहीं, बल्कि यह धैर्य, अनुशासन, लक्ष्य के प्रति एकाग्रता और विपरीत परिस्थितियों में मानसिक संतुलन बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि यह खेल व्यक्तित्व निर्माण के साथ आत्मिक शांति और ध्यान की भावना को भी सुदृढ़ करता है। इस अवसर पर सचिव राज्यपाल एवं उपाध्यक्ष गोल्फ कोर्स नैनीताल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी कौशल किशोर शुक्ल, आयुक्त कुमाऊँ मंडल दीपक रावत, अपर सचिव रीना जोशी, जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी, परिसहाय राज्यपाल अमित श्रीवास्तव, मेजर सुमित कुमार, वित्त नियंत्रक डॉ. तृप्ति श्रीवास्तव, गोल्फ कैप्टन कर्नल(रि.) विवेक भट्ट सहित स्थानीय प्रशासन के अधिकारी, इस टूर्नामेंट के प्रायोजक, सहप्रायोजक संस्थानों के प्रतिनिधि और गोल्फर्स उपस्थित रहे।

एटीएम से आउट डोर व कापर वायर चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने एटीएम से आउट डोर व कॉपर वायर चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार वरिष्ठ शाखा प्रबंधक सुनिता शर्मा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि न्यू एम्पायर सिनेमा के पास स्थित उनके बैंक के एटीएम से चोरों ने आउट डोर व कॉपर वायर चोरी कर लिये हैं।

कार की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत

संवाददाता

देहरादून। कार की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार की मौत हो गयी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जस्सोवाला निवासी विजय कुमार ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके चचेरे भाई हिमांशु सैनी व सुन्दर लाल अपनी मोटरसाईकिल से घर की तरफ आ रहे थे। जब वह जस्सोवाला पानी की टंकी के पास पहुंचे तभी सामने से आ रही कार ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे दोनों घायल हो गये। दोनों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां पर चिकित्सकों ने सुन्दर लाल को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आईएटीआर ने किया मधुमक्खी संरक्षण कार्यशाला का आयोजन

हमारे संवाददाता

देहरादून। विश्व मधुमक्खी दिवस 2026 के अवसर पर इंस्टिट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर ट्रेनिंग एंड रिसर्च द्वारा 'मधुमक्खी संरक्षण एवं सतत मधुमक्खी पालन' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता पद्मश्री कल्याण सिंह रावत ने पर्यावरण संरक्षण में मधुमक्खी के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मधुमक्खी सिर्फ शहद नहीं देती, वह हमारे पूरे पर्यावरण की रक्षक है। 75 प्रतिशत खाद्य फसलों का परागण मधुमक्खी करती है। मधुमक्खी बचेगी तो पहाड़ बचेगा, खेती बचेगी। हर युवा को मधुमक्खी बचाने को पर्यावरण बचाने का मिशन बनाना चाहिए। उन्होंने छात्रों से 'पर्यावरण दूत' बनने का आह्वान किया।

इस मौके पर मधु मित्र सम्मान 2026 से प्रगतिशील मौनपालक अनिल भट्ट और अनिल बिष्ट को सम्मानित किया गया। दोनों विशेषज्ञों ने आधुनिक मौनपालन, मधुमक्खी स्वास्थ्य प्रबंधन और शहद विपणन पर व्याख्यान दिए। लगभग 60 कृषि छात्रों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित हुआ। युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु युवा मधु सेवा सम्मान 2026 से 5 युवा मौनपालकों जिनमें सोभिक मंडल, उज्जवल, गौरव, इंदिशा व शानिया है को सम्मानित किया गया जो अपना शहद उद्यम शुरू करने जा रहे हैं।

कार्यक्रम में आईएटीआर टीम के नवीन नौटियाल, सुश्री लतिका राणा, सुश्री वैशाली थापा, सुमन एवं हाफिज सहित संकाय व छात्र उपस्थित रहे।

फॉरेस्ट गार्ड के एक हजार पदों पर होगी नई नियुक्तियां: धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने फॉरेस्ट गार्ड की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक हजार नई नियुक्तियां करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में वनाग्नि नियंत्रण, पेयजल व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवाओं एवं मानसून तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन संपदाओं को नुकसान पहुंचाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए तथा वनाग्नि की घटनाओं पर नियंत्रण के लिए रिस्पॉन्स टाइम न्यूनतम रखा जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि वनाग्नि की सूचना मिलने के एक घंटे के भीतर संबंधित अधिकारी मौके पर पहुंचें। मुख्यमंत्री ने वनाग्नि पर प्रभावी नियंत्रण के लिए शीतलखेत मॉडल को प्रदेशभर में लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने फायर लाइन के आसपास छोटी-छोटी तलैया बनाने, वनाग्नि रोकथाम के लिए ठोस एक्शन प्लान तैयार करने तथा आग बुझाने वाले कार्मिकों को पर्याप्त उपकरण उपलब्ध कराने के

निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनाग्नि की घटनाओं को रोकने के लिए व्यापक स्तर पर जन-जागरूकता अभियान चलाया जाए। मुख्यमंत्री ने फॉरेस्ट गार्ड की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए एक हजार नई नियुक्तियां करने के निर्देश दिए। साथ ही ग्राम समितियों एवं वन पंचायतों को वनाग्नि रोकथाम के लिए नियमानुसार आवश्यक बजट उपलब्ध कराने को कहा।

मुख्यमंत्री ने मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाओं को देखते हुए वन विभाग के प्रत्येक डिवीजन में पशु चिकित्सकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने मोबाइल अलर्ट प्रणाली के माध्यम से संबंधित क्षेत्रों में वनाग्नि की सूचना तत्काल उपलब्ध कराने पर बल दिया। ग्रीष्मकाल को देखते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदेश में पेयजल की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल टैंकरों की पूरी उपलब्धता बनी रहे तथा क्षतिग्रस्त पेयजल लाइनों को शीघ्र सुचारू किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन को पेयजल के लिए किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने मैदानी क्षेत्रों के साथ-साथ तीर्थाटन एवं पर्यटन स्थलों पर भी पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में विद्युत आपूर्ति निर्बाध बनी रहे और ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने के लिए और अधिक प्रभावी प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपदों के प्रभारी सचिव अपने-अपने जिलों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लें तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी अस्पतालों का फायर सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य रूप से कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अस्पतालों में साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

गंगा किनारे सेल्फी बना हादसे का कारण, दो युवक बहे

हमारे संवाददाता

देहरादून। लक्ष्मणझूला क्षेत्र में बड़ा हादसा सामने आया है। प्रतिबंधित घाट पर फोटो खींचते समय दो युवक गंगा नदी की तेज धारा में बह गए। घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और सर्च एवं रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया।

जानकारी के अनुसार, चार दोस्त घूमने के लिए डबल ट्रिपल बीच क्षेत्र में पहुंचे थे। इसी दौरान दो युवक नदी किनारे फोटो खिंचवा रहे थे। अचानक संतुलन बिगड़ने से दोनों गंगा की तेज धारा की चपेट में आ गए और देखते ही देखते बह गए। साथ मौजूद दोस्तों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। यह हादसा 21 मई की शाम का बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद आज सुबह से एसडीआरएफ की डीप डाइवर टीम आधुनिक रेस्क्यू उपकरणों के साथ सर्च ऑपरेशन चला रही है। जिस स्थान पर हादसा हुआ, वह प्रतिबंधित और असुरक्षित घाट क्षेत्र बताया जा रहा है। डूबने वाले युवकों की पहचान मोहम्मद फैजान (25 वर्ष) पुत्र अली अब्बास और मोहम्मद कैफ (19 वर्ष) पुत्र नसीम अख्तर निवासी नौगावां सादात, अमरोहा, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है।

'काकरोच' की 'डिजिटल फौज'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं, तो आपने एक अजीबोगरीब नाम बार-बार ट्रेंड होते देखा होगा काकरोच पार्टी। पहली नजर में यह किसी हालीवुड की एनिमेटेड फिल्म या मीम जैसा लग सकता है, लेकिन डिजिटल गलियारों में इस वक्त यह शब्द एक बड़े राजनीतिक और सामाजिक विमर्श का केंद्र बन चुका है। इंटरनेट की दुनिया में यह काकरोच तेजी से रेंग रहा है और हर टाइमलाइन पर कब्जा कर चुका है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, एक्स और यूट्यूब पर लोग मजेदार मीम, कटाक्ष भरे वीडियो और राजनीतिक तंज के जरिए इस शब्द को वायरल कर रहे हैं। पहली नजर में यह केवल इंटरनेट का मजाक लग सकता है, लेकिन इसके पीछे जनता की गहरी नाराजगी और राजनीतिक व्यवस्था से उपजा अविश्वास साफ दिखाई देता है।

दरअसल सोशल मीडिया सर्च से पता चला है कि देश के सीएजेआई की एक टिप्पणी के बाद इंटरनेट पर यह बवाल मचा। बवाल भी इतना कि इसने इंटरनेट के सभी रिकार्ड ध्वस्त कर दिए और देश की प्रमुख पार्टियों भाजपा और कांग्रेस को ही इंटरनेट पर पछाड़ दिया। आज आप जब सोशल मीडिया देख रहे होंगे तो आपके मोबाइल पर भी काकरोच पार्टी रेंग रही होगी। बता दें कि काकरोच पार्टी शब्द का इस्तेमाल लोग उन नेताओं और राजनीतिक प्रवृत्तियों के लिए कर रहे हैं, जो हर परिस्थिति में खुद को बचा लेते हैं। जैसे काकरोच को सबसे जिद्दी और हर हाल में जिंदा रहने वाला जीव माना जाता है, वैसे ही सोशल मीडिया यूजर्स भ्रष्टाचार, दल-बदल और अवसरवाद की राजनीति को इस प्रतीक से जोड़ रहे हैं।

COCKROACH JANTA PARTY

●इंस्टाग्राम पर रेंगते हुए आई काकरोच पार्टी, करोड़ों फालोअर्स, इंटरनेट पर मचा तहलका

●इंस्टाग्राम पर इसके फालोअर्स ने बीजेपी और कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टियों को भी पीछे छोड़ा

विश्लेषकों का मानना है कि यह ट्रेंड केवल मनोरंजन नहीं है। यह उस पीढ़ी की निराशा को दर्शाता है जो बार-बार भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, महंगाई और नेताओं के बदलते बयान देखकर राजनीति से दूरी महसूस कर रही है। हालांकि राजनीतिक विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि सोशल मीडिया की यह व्यंग्य संस्कृति लोकतंत्र के लिए दोधारी तलवार है। एक ओर यह जनता को खुलकर बोलने का मंच देती है, वहीं दूसरी ओर गंभीर मुद्दों को केवल मजाक तक सीमित कर देने का खतरा भी पैदा करती है। फिर भी इतना तय है कि आज की राजनीति में सोशल मीडिया केवल प्रचार का माध्यम नहीं रह गया है। अब जनता भी मीम और ट्रेंड के जरिए नेताओं को आईना दिखा रही है। काकरोच पार्टी का वायरल होना इस बात का संकेत है कि जनता अब नाराजगी को भाषणों में नहीं, बल्कि व्यंग्य में व्यक्त कर रही है।

राजनीति में जब आप अपने विरोधियों को इंसान न मानकर कीड़े-मकोड़े या काकरोच कहना शुरू कर देते हैं, तो इसे समाजशास्त्र में डीह्यूमनाइजेशन कहा जाता है। इतिहास गवाह है कि जब भी किसी वर्ग या पार्टी को कीड़े-मकोड़ों की उपमा दी जाती है, तो समाज में नफरत का स्तर बहुत तेजी से बढ़ता है।

फिलहाल सोशल मीडिया पर छाई काकरोच पार्टी कोई असली राजनीतिक दल नहीं है, बल्कि यह इस दौर के डिजिटल फ्रस्ट्रेशन और क्रिएटिविटी का एक काकटेल है। देखना दिलचस्प होगा कि यह महज कुछ दिनों का इंटरनेट ट्रेंड बनकर दम तोड़ देता है, या आने वाले समय में मुख्यधारा की राजनीति के नेता भी एक-दूसरे को नीचा दिखाने के लिए इस काकरोच शब्द का इस्तेमाल अपने भाषणों में करने लगेंगे।

ड्रोन निगरानी से वनाग्नि फैलाने वाला आरोपी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। जंगलों में आग लगाने वाले एक व्यक्ति को वन विभाग की टीम ने ड्रोन निगरानी के चलते गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी जखोली रेंज में आग लगाते हुए पकड़ा गया। जिस पर वन अधिनियम की धाराओं मे मुकदमा दर्ज किया गया है।

जानकारी के अनुसार वनाग्नि की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण एवं वन संपदा की सुरक्षा के लिए वन विभाग द्वारा आधुनिक तकनीक का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। इसी क्रम में जखोली रेंज अंतर्गत वन क्षेत्र में आग लगाने वाले एक व्यक्ति को ड्रोन निगरानी के माध्यम से चिन्हित कर गिरफ्तार किया गया है। विभाग द्वारा आरोपी के विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

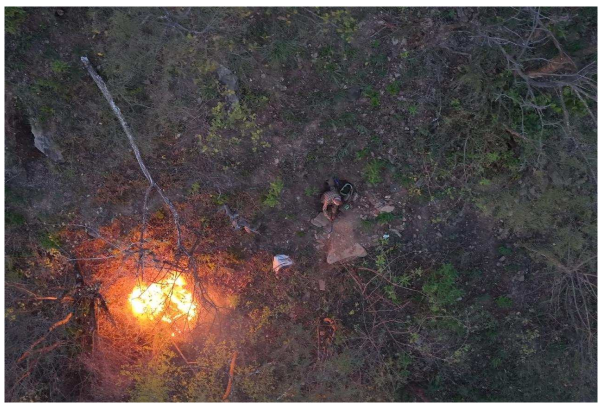

प्रभागीय वनाधिकारी रजत सुमन द्वारा स्वयं ड्रोन संचालित कर वन क्षेत्रों की लगातार निगरानी कर रहे हैं। दिनांक 20 मई 2026 को ड्रोन के माध्यम से जखोली रेंज के तैला कक्ष संख्या-07 में एक व्यक्ति को वन क्षेत्र में आग लगाते हुए देखा गया। घटना की सूचना तत्काल वन दरोगा, बड़मा अनुभाग एवं बीट अधिकारी, तैला को दी गई। विभागीय टीम तुरंत मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया गया, किंतु अंधेरे एवं रात्रि का लाभ उठाकर वह मौके से फरार हो गया। घटना के अगले दिन 21 मई 2026 को विभागीय अधिकारियों द्वारा पुनः घटनास्थल का निरीक्षण किया गया तथा स्थानीय ग्रामीणों से पूछताछ की गई। जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि आग लगाने की घटना ग्राम एवं पोस्ट पंद्रोला कुमड़ी, तहसील जखोली निवासी त्रिलोक सिंह जगवान पुत्र बचन सिंह द्वारा की गई थी। संबंधित व्यक्ति से पूछताछ किए जाने पर उसने वन क्षेत्र में आग लगाने की बात स्वीकार की। इसके उपरांत वन विभाग द्वारा आरोपी को विधिक प्रक्रिया के अंतर्गत गिरफ्तार कर लिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।